

अनुक्रमांक: \_\_\_\_\_

## पेटेंट एजेंट परीक्षा, 2026

(पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 126 के तहत)

### प्रश्नपत्र- II

समय: तीन घंटा

कुल पूर्णांक: 100

निर्देश:

1. इस पेपर में 3 भाग हैं - भाग क (40 अंक), भाग ख (30 अंक) और भाग ग (30 अंक)।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अभ्यर्थी को उत्तर देने से पहले प्रश्नों को बहुत ध्यान से पढ़ना चाहिए।
4. अगर कोई अभ्यर्थी आवश्यकता से अधिक प्रश्नों के उत्तर देता है, तो पहले प्रयास में लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन किया जाएगा।
5. परीक्षा के दौरान कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जाएगा।
6. जहां कहीं भी तिथि का उल्लेख होगा, उसे dd.mm.yyyy प्रारूप में माना जाएगा।
7. कोई नेगेटिव मार्किंग नहीं है।
8. "अधिनियम" और "नियमों" के सभी संदर्भों को क्रमशः पेटेंट अधिनियम, 1970 और पेटेंट नियम, 2003 के रूप में पढ़ा जा सकता है, जैसा कि अब तक संशोधित किया गया है और उनके संबंधित आवेदन, सिवाय इसके कि जब विशेष रूप से डिज़ाइन अधिनियम, 2000 और डिज़ाइन नियम, 2001 जैसा कि संशोधित किया गया है, का उल्लेख किया गया हो।
9. अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह उत्तर में संबंधित धारा और नियमों के साथ-साथ निर्धारित प्रश्न का भी उल्लेख करे।
10. कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेगा या उसे छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी (i) जब तक परीक्षा का आधा समय पूरा न हो जाए; (ii) उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर किए बिना; और (iii) अपनी OMR शीट/उत्तर पुस्तिका निरीक्षक को ठीक से सौंपे बिना।
11. अगर कोई अभ्यर्थी परीक्षा के तय समय से पहले परीक्षा हॉल छोड़ना चाहता है, तो वह प्रश्न पत्र जमा करके ऐसा कर सकता है।

### भाग-क

1. "जितना अधिक कोई दावा करता है, उतना ही अधिक उसे सक्षम बनाना होगा"

- अमगेन इंक. बनाम सनोफी (2023) मामले में सक्षमता की ज़रूरत पर ज़ोर देते अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट

उपरोक्त कथन को ध्यान में रखते हुए:

पेटेंट अधिनियम, 1970 में बताए गए सक्षमता के सिद्धांत और आविष्कारकों की सुरक्षा और सार्वजनिक हित के बीच संतुलन बनाने में इसकी भूमिका के विषय में बताएं। इसके अतिरिक्त, पर्याप्त सूचना देने की आवश्यकता के लिए संबंधित धारा और पेटेंट अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत ऊपर बताई गई आवश्यकता का पालन न करने के संभावित नतीजों के बारे में भी लिखें।

(5 अंक)

2. पेटेंट आवेदन के जीवन चक्र के दौरान, अलग-अलग परिस्थिति और अवस्था में पेटेंट आवेदन, विनिर्देश और संबंधित दस्तावेज़ में परिवर्तन करना संभव है। पेटेंट अधिनियम, 1970 और नियमों के तहत संबंधित प्रावधानों और उनके आपसी तालमेल, जो मिलकर पेटेंट आवेदन की अलग-अलग अवस्था पर ऐसे बदलावों को नियंत्रण करते हैं, के विषय में बताएं। (5 अंक)

3. त्वचा के इलाज के लिए एक मरहम के संबंध में एक पेटेंट आवेदन निम्नलिखित दावा संरचना के साथ फाइल किया गया है:

दावा 1: मरहम जिसमें सामग्री X + स्थिरता के लिए योजक Y

दावा 2: दावा 1 + X माइक्रोकैप्सूल के रूप में + Y 1% और 2% के बीच

दावा 3: दावा 2 + X 30% और 50% के बीच

दावा 4: दावा 3 + बेस सर्फैक्टेंट + मॉइस्चराइज़र समूह, एफ, जी और एच में से चयनित, और आवश्यक सीमा उल्लेखित।

प्रारम्भिक खोज के बाद, ये चार आवश्यक दस्तावेज़ मिले हैं:

D1	D2	D3	D4
<ul style="list-style-type: none"> <li>• मरहम</li> <li>• X = 35%</li> <li>• Y = 6%</li> <li>• बेस सर्फैक्टेंट=25%</li> <li>• मॉइस्चराइज़र = 26% (F)</li> <li>• X लिपोसोम रूप में</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मरहम</li> <li>• X = 40%</li> <li>• Y = 7%</li> <li>• बेस सर्फैक्टेंट= 30%</li> <li>• मॉइस्चराइज़र = 22%, F, G और H में से चयनित</li> <li>• X कई रूपों में, जिसमें माइक्रोकैप्सूल भी सम्मिलित हैं।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मरहम</li> <li>• X = 28%</li> <li>• Y = 5%</li> <li>• बेस सर्फैक्टेंट = 32%</li> <li>• मॉइस्चराइज़र = 24% (H)</li> <li>• X माइक्रोकैप्सूल के रूप में</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मरहम</li> <li>• X = 45%</li> <li>• Y = 0.8%</li> <li>• बेस सर्फैक्टेंट = 35%</li> <li>• मॉइस्चराइज़र = 23% (F + G)</li> <li>• X माइक्रोकैप्सूल के रूप में</li> </ul>

उपरोक्त के संदर्भ में, सबसे निकटतम पूर्व कला की पहचान करें और नवीनता मूल्यांकन के लिए इस पूर्व कला की प्रासंगिकता पर टिप्पणी करें। (5 अंक)

4. इस बात का आलोचनात्मक विश्लेषण करें कि पेटेंट अधिनियम और उसके अंतर्गत बने नियम के तहत पेटेंट परिचालन अपवादों के साथ-साथ पेटेंट कार्यकारी रहने के लिए खास प्रावधानों के माध्यम से भारतीय पेटेंट कानून किस प्रकार नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है? (5 अंक)

5. सुश्री रिया, जो एक जानी-मानी आभूषण डिजाइनर हैं, ने हाल ही में डिजाइन अधिनियम, 2000 के तहत अपने अभिनव झुमका (इनोवेटिव ईयररिंग) डिजाइन का पंजीकरण करवाया है। वह मार्किंग से संबंधित कानूनी आवश्यकता का पालन सुनिश्चित करना चाहती है। इस संदर्भ में निम्नलिखित का उत्तर दें:
- (क) सामान वितरण करने या बेचने से पहले, स्वत्वधारी को प्रत्येक सामान या उसकी पैकेजिंग की मार्किंग के लिए कौन सा विवरण सुनिश्चित करना होगा?
- (ख) किन वस्तुओं या मामलों में ऊपर बताई गई वस्तुओं में छूट दी जाएगी?
- (ग) इस आवश्यकता को पूरा न करने के क्या संभावित परिणाम हो सकते हैं?

(2+1+2 = 5 अंक)

6. फीस्टेबल्स फार्मा ने कैंसर के उपचार के लिए मैबनिटिब नाम की औषधि के लिए एक पेटेंट आवेदन दायर किया था और पेटेंट अनुदत्त हो गया। हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी फार्मा कंपनी ने 'स्पष्टता' (ऑब्बियसनेस) के आधार पर दो पुराने दस्तावेज़ D1 और D2 का उद्धृत किया और पेटेंट अनुदानोत्तर आपत्ति दर्ज कराया। अनुदानोत्तर आपत्ति की पूरी प्रक्रिया के बाद, नियंत्रक ने यह निष्कर्ष निकाला कि D1 और D2 दस्तावेज़ को एक साथ देखने पर दावा स्पष्ट (ऑब्बियस) है। फलस्वरूप, पेटेंट रद्द कर दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि बताए गए दस्तावेज़ D1 और D2 खुद फीस्टेबल्स फार्मा के पुराने पेटेंट थे, जो मैबनिटिब पेटेंट आवेदन दायर होने से काफी पहले प्रकाशित हुए थे। ऊपर बताई गई बातों के मद्देनज़र एवं यह मानते हुए कि नियंत्रक ने स्पष्टता (ऑब्बियसनेस) पर सही फैसला लिया था, पेटेंट अधिनियम, 1970 के तहत उपलब्ध प्रावधान बताएं जो मैबनिटिब पेटेंट को बचा सकते थे। संबंधित धारा और नियमों का वर्णन करते हुए कारण बताएं। (5 अंक)
7. डिजाइन अधिनियम, 2000 के तहत औद्योगिक डिजाइन सुरक्षा के दायरे और उद्देश्यों का परीक्षण करें। किसी डिजाइन को पंजीकृत करने के मानदंडों, कार्यात्मक और सौंदर्य संबंधी तत्व (फंक्शनल और एस्थेटिक एलिमेंट्स) के बीच अंतर, और डिजाइन और कॉपीराइट सुरक्षा के बीच संबंध पर चर्चा करें। अपने विश्लेषण को प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों से समर्थित करें। (5 अंक)
8. जापान में एक आविष्कारक ने 01.01.2025 को जापान पेटेंट ऑफिस में एक पेटेंट आवेदन दायर किया, जिसे 06.06.2025 को प्रकाशित किया गया। इसके बाद 03.07.2025 को, भारत में एक टेक्नोफेयर में, उन्होंने अपने आविष्कार को प्रदर्शित करने पर महसूस किया कि उनके आविष्कार के लिए भारत बहुत बड़ा बाज़ार है। बाज़ार में लाभ अर्जित करने के लिए, वह भारत में भी वही पेटेंट आवेदन दायर करने का इरादा रखते हैं। इस परिस्थिति में पेटेंट अधिनियम, 1970 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार, वह आपके पास चुनौतियों और उसके निदान की सलाह लेने आते हैं। उसे उसी आधार पर सलाह दें। (5 अंक)

## भाग - ख

9. ग्रीनमैट्रिक्स लैब्स, जो एक पंजीकृत लघु इकाई है, उसके द्वारा 01.04.2024 को एक पेटेंट आवेदन दाखिल किया गया, जिसमें डॉ. मीरा को एकमात्र आविष्कारक बताया गया है। पूर्ण विनिर्देश 01.06.2024 को जमा की गई थी।

**परिदृश्य 1:** 15.08.2024 को, ग्रीनमैट्रिक्स लैब्स और श्री राज, जो एक फ्रीलांस ए आई डेवलपर हैं, ने मिलकर महानियंत्रक को एक अनुरोध फाइल की, जिसमें राज का नाम आविष्कार के तौर पर सम्मिलित करने की मांग की गई थी। उनका दावा था कि श्री राज ने इस आविष्कार में एकीकृत किए गए कार्य में एक मुख्य एल्गोरिदम के रूप में योगदान दिया था।

**परिदृश्य 2:** 05.09.2024 को डॉ. नीना, जो प्रोजेक्ट के विकास के शुरुआती चरण में इससे जुड़ी एक पूर्व कंसल्टेंट थीं, और स्वतंत्र रूप से काम कर रही थीं। आवेदक के समर्थन के बिना, अपना नाम आविष्कारक के तौर पर सम्मिलित करने के लिए निवेदन दाखिल की।

**परिदृश्य 3:** संयुक्त अनुरोध के बाद जब श्री राज का नाम सह-आविष्कारक के तौर पर जोड़ा गया, तो डॉ. नीना ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए एक और अनुरोध फॉर्म दायर किया और रिकॉर्ड से श्री राज का नाम हटाने की मांग की।

ऊपर बताए गए हर परिदृश्य में, पेटेंट अधिनियम, 1970 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के संदर्भ में प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं और शुल्क की प्रयोज्यता की व्याख्या करें। **(10 अंक)**

10. भारत का पेटेंट अधिनियम, 1970 अकेला नहीं है; यह शासन, प्रशासन, जनहित और प्रवर्तन में तालमेल बनाए रखने के लिए कई दूसरे अंतर्राष्ट्रीय समझौते, संधियों और घरेलू कानूनों के साथ मिलकर काम करता है। पेटेंट अधिनियम, 1970 के कामकाज पर कम से कम पाँच ऐसे गैर-पेटेंट-विशिष्ट उपकरण पर चर्चा करें, साथ ही भारत में पेटेंट कानून पर उनकी प्रासंगिकता और प्रभाव के बारे में भी बताएं। **(10 अंक)**

11. इनो ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड डिज़ाइन एक्ट, 2000 के तहत डिज़ाइन नंबर D-54321 (वर्ग 15) की पंजीकृत स्वत्वधारी है। स्पाइरोग्रेफिक्स, जो एक प्रतिस्पर्धी है, को पता चलता है कि डिज़ाइन नंबर D-54321 में नवीनता नहीं है और इनो ग्राफिक्स के पंजीकरण से पहले इसे विदेश में प्रकाशित किया जा चुका था। स्पाइरोग्रेफिक्स ने पंजीकरण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। डिज़ाइन अधिनियम के संबंधित धारा और नियमों के साथ-साथ जिन प्रक्रियात्मक चरणों का पालन करना है, उनकी रूपरेखा बताएं। **(10 अंक)**

## भाग-ग

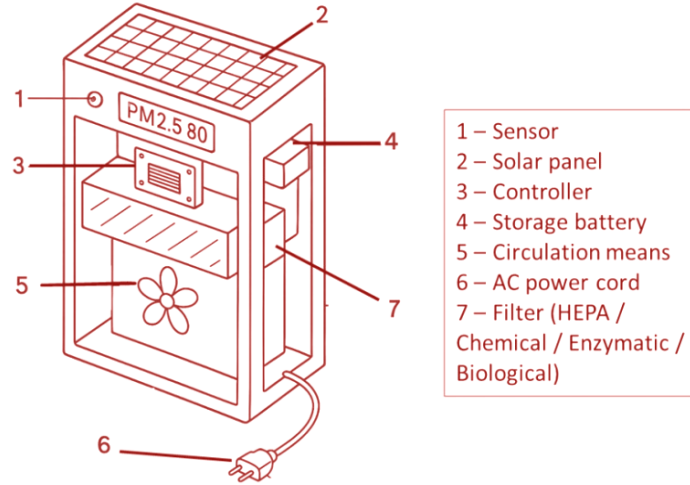
12. डॉ. मीरा और डॉ. अर्जुन, जो जेनोवेटबायो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में पहले शोध सहयोगी थे, ने मिलकर एक नए जैव सक्रिय यौगिक पर काम किया, जो बाद में जेनोवेटबायो का प्रमुख उत्पाद बन गया और अभी फेज I नैदानिक परीक्षण की अवस्था में है। उनके शुरुआती निष्कर्षों को एक सम्मेलन पत्रिका में प्रस्तुत किया गया था, जिसे दोनों ने मिलकर लिखा था, जिसमें शुरुआती संश्लेषित और शुद्धिकरण के परिणाम के नतीजों के बारे में बताया गया था। जेनोवेटबायो से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. अर्जुन ने अकेले ही उस यौगिक के शुद्धिकरण प्रक्रिया के लिए एक भारतीय पेटेंट आवेदन दाखिल किया और पेटेंट भी प्राप्त किया, जिसमें उन्होंने खुद को एकमात्र आविष्कारक बताया। जेनोवेटबायो और डॉ. मीरा ने डॉ. अर्जुन के पेटेंट के संबंध में निम्नलिखित बातों पर ध्यान दिया:

- i. पेटेंट में बताई गई शुद्धिकरण प्रक्रिया, जेनोवेटबायो के आंतरिक आर एंड डी डॉक्यूमेंटेशन में मानकीकृत तरीके से काफी मिलती-जुलती है।
- ii. विनिर्देश में भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र के एक पारंपरिक औषधीय पौधे से प्राप्त एंजाइम के इस्तेमाल का जिक्र है। हालांकि, पेटेंट में जैविक स्रोत या भौगोलिक मूल का खुलासा नहीं किया गया है।
- iii. पेटेंट में दिया गया एनालिटिकल डेटा और स्पेक्ट्रल आंकड़े वैज्ञानिक रूप से अविश्वसनीय लगते हैं और वास्तविक जांच परिणामों से मेल नहीं खाते।
- iv. डॉ. अर्जुन ने चार मिलते-जुलते विदेशी आवेदन दाखिल किए थे, लेकिन पेटेंट आवेदन की कार्यवाही के दौरान उन्हें भारतीय पेटेंट कार्यालय को नहीं बताया। अपने फ्लैगशिप कार्यक्रम पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित, जेनोवेटबायोसॉल्यूशंस अपने मालिकाना शोध की सुरक्षा करना चाहता है और आपसे, उनके पेटेंट एजेंट के तौर पर, यह अनुरोध करता है कि आप इस स्थिति से निपटने और उनके हितों की रक्षा करने के लिए उपलब्ध कानूनी उपायों का मूल्यांकन करें।

अपने फ्लैगशिप कार्यक्रम पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित, जेनोवेटबायो सॉल्यूशंस आपसे, उनके पेटेंट एजेंट के तौर पर, यह अनुरोध करता है कि आप इस स्थिति से निपटने और उनके हितों की रक्षा करने के लिए उपलब्ध कानूनी उपायों का मूल्यांकन करें। उनके पेटेंट एजेंट के रूप में आप, जेनोवेटबायो सॉल्यूशंस को प्रासंगिक सलाह दें और संभावित कानूनी आधारों की पहचान करते हुए प्रासंगिक दस्तावेज़ का मसौदा तैयार करें। **(10 अंक)**

13. वायु प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक समस्या बन गया है, जिससे विश्व में स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चिंता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। बाज़ार में कई एयर प्यूरीफायर मौजूद हैं, लेकिन इस समस्या से ज़्यादा असरदार तरीके से निपटने के लिए, डॉ. देसाई ने एक टिकाऊ और नवीन एआई (AI)-आधारित एयर प्यूरीफायर सिस्टम विकसित किया है जो सेंसर (1- Sensor) द्वारा रियल टाइम में पता लगाने और एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) के हिसाब से अपने शुद्धिकरण स्तर और वायु प्रवाह पथ (एयर फ्लो पाथ) को अपने आप समायोजित करता है। इस प्रणाली में कई एयर

फिल्टर (7-Filter) हैं जैसे मैकेनिकल फिल्टर, केमिकल फिल्टर, एंजाइमेटिक फिल्टर और बायोलॉजिकल फिल्टर। पता किए गए एक्यूआई स्तर के आधार पर, वायु प्रवाह पथ और प्रयोग होने वाले एक या अधिक फिल्टर का संयोजन एक ए आई (AI)-आधारित नियंत्रण इकाई (3-Controller) द्वारा नियंत्रित किया जाता है ताकि कम से कम ऊर्जा का उपयोग करके अधिकतम कार्यक्षमता या परिणाम प्राप्त किया जा सके। नीचे दिया गया चित्र डिवाइस के अलग-अलग भाग की जानकारी देता है।



डॉ. देसाई के आविष्कार की ऊपर दी गई सूचना के आधार पर, डॉ. देसाई के अनुसंधान संस्थान के आईपीआर अनुभाग ने एक प्रारंभिक पूर्व कला खोज किया और उन्हें ये आवश्यक दस्तावेज़ मिले, जिनमें उनकी संक्षिप्त जानकारी दी गई है:

पूर्व कला	संक्षिप्त प्रकटीकरण
D1	एयर प्यूरीफायर जिसमें सिर्फ HEPA फिल्टर और पंखा है, और पंखे की गति को मैनुअल रूप से समायोज्य किया जा सकता है, जो की दीवार पर लगे हुये ए सी (AC) पावर सोर्स से संचालित होता है।
D2	एक HEPA फिल्टर, एक PM सेंसर, एक नियंत्रक और एक पंखे वाला एयर प्यूरीफायर, जिसमें पंखे की स्पीड PM सेंसर द्वारा मापे गए PM लेवल के आधार पर नियंत्रक द्वारा स्वसंचालित हो जाती है। यह प्यूरीफायर दीवार पर लगे हुये ए सी (AC) पावर सोर्स से संचालित होता है।
D3	HEPA फिल्टर और एक्टिवेटेड कार्बन सहित कई फिल्टर वाला एयर प्यूरीफायर, जो की दीवार पर लगे हुये ए सी (AC) पावर सोर्स से संचालित होता है।

ऊपर दी गई जानकारी के आधार पर, पेटेंट अधिनियम, 1970 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार, एक पूर्ण विनिर्देश तैयार करें, जिसमें दो स्वतंत्र दावे तथा दो आश्रित दावे हों। **(20 अंक)**

-----प्रश्न पत्र समाप्त-----